विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे।मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है,बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा,स्वास्थ्य,शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई,जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है,और यही निर्मल मन व्यक्ति के समठा कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया,जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहनेसे मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं,और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार,मेरी कहानीआपकोयह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पानेहेतु शिक्षा, स्वास्थ्य,शांति,और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समठा समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं,बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध,स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है,तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना,शांति की दिशा में काम करना,और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं।मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिल जुलकर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में,जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में,व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है,प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है,और स्वच्छ जलवायु और मृदा प्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्रायः शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्च कोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं,बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप मेंहमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं,पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है,और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे,जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समठा विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।इससे न केवल हमारे देश की समठा उन्नित सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अठासर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

मतदाता सूचियों के संबंध में चुनाव आयोग से जनता कुछ ओर स्पष्टता की उम्मीद तो करती ही है

महावीर सिंह

बिहार में बहुचर्चित मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़े विवादों के बीच विधान सभा चुनाव संपन्न हुए।चुनाव आयोग पर राजनेताओं ने कई आरोप लगाए है और कुछ राजनीतिक दलों में ऐसे नेताओं को जम कर आड़े हाथों लेते हुए आयोग के बचाव का भी भरसक प्रयास किया है किंतु चुनाव आयोग ने विस्तार से, बहुत संतोषप्रद प्रतिक्रियाएं नहीं दी। कुछ ऐसा प्रतीत हुआ कि चुनाव आयोग विस्तृत तथ्य वो कानून आधारित प्रतिक्रिया के बजाए लूली लंगड़ी बचाव मुद्रा में दिखाई देता रहा। वैसे बिहार मतदान के समय भी कुछ जगह कैमरे पर लोगों में कहा है कि उनके पूरे मोहल्ले के या बहुत से मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों में नहीं मिले। अभी बिहार विधान सभा के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सम्पन्न हुए चुनावों में दिल्ली निवासी कुछ ख्यातनाम व्यक्तियों के बारे में वीडियो वायरल हुए है कि उन्होंने कुछ समय पूर्व फरवरी में दिल्ली विधान सभा के चुनावों में भी मतदान किया था और अब बिहार में भी किया है? इससे तो चुनाव आयोग द्वारा अभी हाल ही में बिहार में जो मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण हुआ उस पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है?

05 नवंबर 2025 को लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर हरियाणा की मतदाता सूचियों में कुछ ऐसी त्रुटियों की ओर ध्यान खींचा है जिन पर चुनाव आयोग को और चुनाव आयोग से जुड़े कुछ मुद्दों पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी ही चाहिए। चुनाव आयोग मात्र एक सरकारी निकाय न होकर एक संवैधानिक संस्था है। संविधान बनाने के समय देश में चुनावों का दायित्व किस प्रकार की संस्था को सौंपा जाए इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इसके पश्चात एक उच्चस्तरीय स्वतंत्र संवैधानिक संस्था बनाई गई जिस पर देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करने की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।चुनाव निष्पक्ष हों, पारदर्शी तरीके से हों और सबसे बड़ी बात कि जनता तथा चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों को विश्वास हो कि ऐसा ही हो रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए अत्यावश्यक है कि चुनावों के प्रति जन विश्वास कायम रहे।जहां जहां इस जन विश्वास में कमी आती है वहां सरकारों पर धांधली से चुनाव जीतने के आरोप लगते है और सरकारें अस्थिर होती रहती है।

सबसे पहले तो सरकार को बताना चाहिए कि जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह आशा की थी कि त्रिसदस्यीय चुनाव आयोग में सरकार भी हो, प्रतिपक्ष भी हो तथा एक तीसरा इन दोनों से भिन्न उच्च नैतिक मानदंडों वाला विख्यात व्यक्ति हो तो इसमें तीसरा व्यक्ति सरकार में अपनी सरकार के मंत्री को ही क्यों रख लिया? इस संरचना से तो यह संस्था पूर्णत: सरकारी नियंत्रण वाली संस्था ही कहलाएगी।

सरकार से जनता इस जानकारी की भी अपेक्षा करती है कि कौन सी ऐसी परिस्थितियों उत्पन्न हुई कि चुनाव आयुक्तों को ऐसा कवच देना पड़ा कि उनके विरुद्ध, उनके चुनाव आयुक्त की हैसियत से किए किसी भी कार्य के लिए कभी भी कोई अपराधिक कार्यवाही होगी ही नहीं। क्यों???

यह नियम बनाने की भी क्या आवश्यकता थी कि पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी पर आए मतदाताओं के फोटोज अन्य विवरण का चित्रण मतदान के 45 दिन बाद नष्ट कर दिया जाए??? फर्जी मतदाताओं की तो इससे पहचान हो ही जाती।खैर सही उतर तो चुनाव आयोग या सरकार ही दे सकते है?? यह भी माना की जिस सरकार के पास संसद में बहुमत है वह कोई भी कानून बना सकती है किंतु यह भी सत्य है कि हर कानून से जनहित की ही पूर्ति होती है सही नहीं है? चुनाव आयोग जेसी संस्था के लिए तो कानून ऐसा होना चाहिए जो पक्ष विपक्ष दोनों को स्वीकार हो और जनता को भी उनके गंभीर दुरुपयोग का कोई संदेह न हो।

अब 05 अक्टूबर को उपर उल्लेखित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करते हैं ::--

एक प्रश्न है जिस पर चुनाव आयोग को तत्काल स्पष्टता करनी चाहिए कि एक ही वोटर के बीस–तीस अलग अलग पोलिंग स्टेशनों पर नाम कैसे आए? क्या आयोग स्तर से, मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन से पहले इस प्रकार के नामों की त्वरित जांच व हटाने का कोई तरीका नहीं??? इस प्रकार के कई नाम बताए गए। आयोग के हवाले से यह बताया गया कि क्या प्रमाण है कि ऐसे व्यक्तियों ने एक से अधिक जगह पर वोट डाला है??ऐसे आरोप भारत के लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास मात्र है।

आयोग का ऐसा दृष्टिकोण, यदि ऐसा है तो, किसी के भी गले उतरने वाला नहीं हो सकता। मान लेते है कि कई जगह नाम वाले व्यक्ति ने दो बार मतदान नहीं किया किंतु क्या यह सिद्ध कर देता है कि मतदाता सूचिया 100 प्रतिशत सही,शुद्ध है?? बिल्कुल नहीं।

रही बात एक से अधिक पोलिंग स्टेशनों पर मतदान की तो अगर पोलिंग स्टेशनस पास पास 2,4,5,10 किलोमीटर के दायरे में हो तो मतदान भी कई जगह किया जा सकता है। नहीं क्या??? आयोग या तो यह कहे कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह पूर्णत: गलत जानकारी दी गई है या यह सिद्ध करे कि एक ही फोटो दिखने वाले भिन्न भिन्न पोलिंग स्टेशनों पर जो मतदाता दिखाए गए हैं वे सब अलग अलग है। लेकिन जनता की दृष्टि में अपनी साख कायम रखने के लिए,कई पोलिंग स्टेशन की सूचियों में फोटो एक कैसे, इस पहेली तो आयोग को सुलझानी ही चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि,उचित सॉफ्टवेयर से एक जैसे फोटो वाले नामों को ,एक जैसी व्लदियत वाले नामों की,एक जैसे पते वाले नामों की पहचान अत्यंत ही आसान है तो फिर हुई क्यों नहीं? या फिर इन आरोपों व सुझावों को निराधार सिद्ध किया जाए। आरोप किसी आम आदमी ने नहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने लगाए है।

मैंने आईटी के एक सामान्य स्तर वाले जानकार से पूछा कि यह एक ही मतदाता की फोटो से कई पोलिंग स्टेशन पर मतदाता के रूप में नाम कैसे आ सकता है? उनका कहना था कि ँ्ध्द द्वार तैयार मतदाता नामों की सूची मय फोटो को निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में, ठेकेदार के डेटा एंट्री ऑपरेटरस अपलोड करते है। उनके कॉन्ट्रेक्ट की शर्तों में कुछ परसेंटेज तक त्रुटियां मान्य होती है अर्थात यदि इस सीमा तक त्रुटि होती है तो उनका भुगतान नहीं रुकता और त्रुटि शुद्धिकरण का काम भी उसी वेंडर को दिया जाता है जिसका अलग से भुगतान होता है। इस कारण कुछ त्रुटिया वेंडरस द्वारा एंट्री ऑपरेटर से जानबूझ कर करवाई जाती है।

जब उन्हें बताया गया कि गलतियों का शुद्धिकरण तो मतदाता के अंतिम प्रकाशन से पहले हो जाता है, उसके बाद त्रुटियां रहना तो काफी गम्भीर बात है तो उनका कहना था वे सामान्य प्रक्रिया बता रहे हैं।मतदाता सूचियों में इस प्रकार की त्रुटियां क्यों – कैसे रही, इस बारे में उन्हें कुछ नहीं पता।

जब उनसे पूछा की चलिए उपरोक्त बताई कारण से एक पोलिंग स्टेशन पर एक वोटर की फोटो व नाम कई बार आ गया किंतु दूर दूर के पोलिंग स्टेशंस की मतदाता सूचियों में एक ही नाम और फोटो कैसे आ सकते है ? यह तो तभी संभव है जब कोई एक ही व्यक्ति इस प्रकार के नाम डेटा एंट्री ऑपरेटर्स को उपलब्ध करवाए या कोई व्यक्ति किसी सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन से दूर बैठ कर इस प्रकार की एंट्रीज कर दे? अर्थात सेंट्रलाइज्ड तरीके से मतदाता सूचियों में छेड़छाड़ की जाए। ओर अगर ँ्ध्द स्तर से यह गलतियां हुई है या जानबूझ कर की हैं तो उनके विरुद्ध निर्वाचन अधिकारी ने कोई कार्यवाही भी की होगी।यह तो चुनाव आयोग बता ही सकता है, नहीं??

दूसरा बिंदु जो उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाया गया वह था एक ही पोलिंग स्टेशन पर 0 हाउस नम्बर में अनेक मतदाताओं के नाम। जिनका कोई घर नहीं क्यों कि या तो घुमंतू जातियों के है या वास्तव में बेघर हैं तो फिर उनको किसी मतदान केंद्र की मतदाता सूचियों में किस प्रकार की जांच के आधार पर अंकित किया गया है ??? ऐसे आदमियों की पहचान किसी दस्तावेज से तो हुई होगी,उस दस्तावेज में कोई न कोई रहने का स्थान भी दिया होगा या फिर ऐसे लोगों की पहचान की जरूरत ही नहीं थी? आधार पहचान पत्र, राशन कार्ड, पुराने मतदाता फोटो पहचान पत्र आदि में भी घर,पते का कोई न कोई अंकन होता ही है। घुमंतू जाती के लोग भी एक किसी एक स्थान पर अपना एक डेरा, टोला जरूर रखते है जहां वे आते जाते रहते है।तो 0 की जगह बंजारा या गवारिया या अन्य का डेरा ही अंकित कर देते। मतदान के समय कैसे पहचान होगी ऐसे आदमियों की,कोई वहां का है भी या नहीं???

दूसरा बिंदु जिस पर आयोग से स्थिति स्पष्ट करना तो बनता है, वह है कि एक छोटे मकान में 20,30,50,100 मतदाताओं के नाम कैसे? हो सकता है कोई बहुत बड़ा मकान हो उसमें स्थाई रूप से बहुत सारे लोग रहते हों जिनमें मकान मालिक व उसके परिवार के अतिरिक्त कई किराएदार हों। ऐसे मामलों में भी ँ्ध्द द्वारा मौके पर जांच की जाती है।आयोग चाहे तो स्थिति स्पष्ट कर सकता है।यदि किराएदार है तो फिर स्थाई किराएदार बाशिंदे है उनकी बात अलग हो सकती है किंतु यदि सीजनल कामगार, मजदूर आदि है तो फिर ऐसे लोगों का नाम क्यों आना चाहिए?? उनका नाम तो वे जहां के स्थाई निवासी है वहां होना चाहिए।

आयोग द्वारा यह मात्र यह कह देना कि यह सब बेबुनियाद के प्रश्न है, आयोग को बदनाम किया जा रहा है या फिर कोई यह कह दे कि नेता प्रतिपक्ष हल्के छिछोरे आरोप लगाने के आदि है या ऐसे वैसे बोलने पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट से हिदायत भी दी गई है, आदि वक्तव्यों से जनता के मन के संदेह दूर नहीं होंगे।

बात तो यह है कि आयोग प्रत्येक आरोप का विस्तार से खंडन क्यों नहीं करता या स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता?? कुछ राजनीतिक दल अनावश्यक रूप से आयोग के बचाव में क्यों कूद पड़ते है?

नेता प्रति पक्ष ने जो कुछ कहा उस से यह बिल्कुल सिद्ध नहीं होता कि वोटों की चोरी हुई है किंतु इस प्रकार के लोगों ने जिनके नाम कई कई पोलिंग स्टेशन पर है उन्होंने कई बार वोट नहीं डाला या फिर उस नाम से किसी ओर ने वोट डाल दिया, यह जांच तो केवल और केवल चुनाव आयोग ही कर सकता है।किस पोलिंग स्टेशन पर किस ने मतदान किया यह रिकॉर्ड तो चुनाव आयोग के पास ही है??? कोई अन्य कैसे जांच कर सकता है???

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

सप्त शक्ति कमान का थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता का सशक्त प्रदर्शन सम्पन्न

युद्ध अभ्यास का उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था

बीकानेर, (निसं)। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन ने थार मरुस्थल स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक व्यापक युद्ध अभ्यास को संपन्न किया, जिसका उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था।

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की, जिसका उद्देश्य सामरिक प्रक्रियाओं को निखारना, इण्टर आर्म्स समन्वय को बढ़ाना और चुनौतीपूर्ण वातावरण और भू–भाग की स्थितियों के तहत सभी संस्थाओं और टुकड़ियों के एकीकरण का परीक्षण करना था। अभ्यास में सैनिकों की सहनशक्ति, अनुशासन और उच्च–तीव्रता वाले वास्तविक युद्ध क्षेत्र के माहौल में प्रदर्शन की क्षमता का परीक्षण किया गया और यह अभ्यास ये सुनिश्चित करने पर केंद्रित था कि इंफ़ैंट्री, मैकेनाइज्ड फोर्सेज, एयर डिफेन्स, आर्टिलरी फायर सपोर्ट, इंजीनियर्स और लॉजिस्टिक्स सहित संयुक्त सैन्य अभियानों को सटीकता और चुस्ती के साथ संचालित किया जा सके। साथ ही कमान और नियंत्रण प्रक्रियाओं, इंटेलिजेंस समन्वय तथा युद्धक तैयारी बढ़ाने के लिए (ड्रोन्स) के प्रभावी उपयोग का भी अभ्यास किया गया। इस अभ्यास में भाग लेने वाले सैनिकों ने संचालन योजनाओं, लॉजिस्टिक क्षमता और संचार नेटवर्क को सफलतापूर्वक परखा, जिससे डिवीजन की उच्च स्तरीय तैयारी और बदलते खतरों का सामना करने की क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन हुआ।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता के सशक्त प्रदर्शन का अवलोकन किया।

एक गतिशील और विवादित युद्ध परिदृश्य का अनुकरण करते हुए, युद्ध अभ्यास में डिसिशन मेकिंग, अनुकूलन क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं के संदर्भ में हर स्तर की कमान का परीक्षण किया। फार्मेशन ने जटिल संचालन चुनौतियों का सामना करने के लिए तेज, समन्वित और सुव्यवस्थित गतियों को निष्पादित करने में उत्कृष्ट पेशेवरिता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। आर्मी कमांडर ने भाग लेने वाले सैनिकों को उनके पेशेवर व्यवहार, इनोवेशन और मिशन केंद्रित दृष्टिकोण के लिए सराहा। उन्होंने कहा कि सैनिकों का प्रदर्शन भारतीय सेना की प्रतिबद्धता, साहस और उत्कृष्टता की भावना को दर्शाता है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। साथ ही उन्होंने भैरव बटालियन के साथ भी संवाद किया और उनके उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और ऑपरेशनल रेडीनेस की सराहना की।

- **सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की**

राशिफल रविवार 16 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 2:11 तक, प्रीति योग सोमवार प्रात: 7:23 तक, कौलव करण दिन 3:43 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:11 तक है। द्विपुष्कर योग और राजयोग रात्रि 2:11 से रात्रि 4:48 तक है। आज मार्गशीर्ष संक्रांति, सूर्य वृश्चिक में प्रवेश दिन 1:87 पर करेगा। पुण्यकाल प्रात: 7:13 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:11 से 9:31 तक, लाभ–अमृत 9:31 से 12:11 तक, शुभ 1:32 से 4:52 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होग। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।